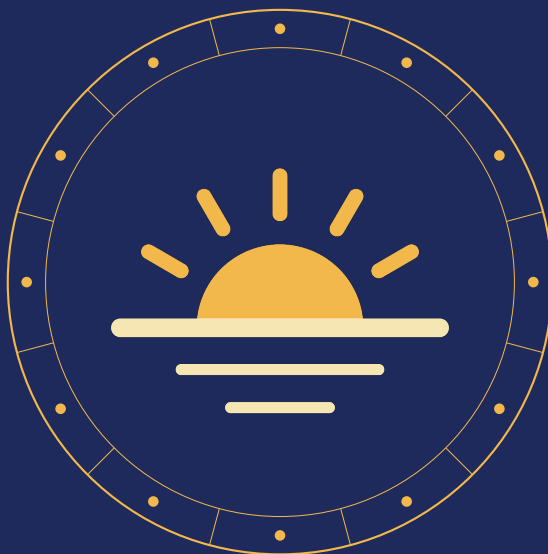


वैदिक ज्योतिष · गुण मिलान



AT ASTRO

# कुंडली मिलान रिपोर्ट

आप दोनों के लिए 36 गुण मिलान, दोष, मांगलिक और विवाह का समय

किसके लिए तैयार

Rahul Verma & Priya Nair

Rahul Verma · 15 जून 1990 · 08:30 · Hyderabad

Priya Nair · 21 मार्च 1992 · 06:40 · Kochi

गुण मिलान: 19 / 36 · स्वीकार्य मिलान

तैयार की गई: 18 अक्टूबर 2026

atastro.in

AT ASTRO

# विषय सूची

## भाग 1 - आपका विवरण

|                     |   |
|---------------------|---|
| दोनों के जन्म विवरण | 3 |
| अष्टकूट गुण मिलान   | 4 |

## भाग 2 - आपका मिलान

|                                         |    |
|-----------------------------------------|----|
| एक नज़र में आपका मिलान                  | 5  |
| वर्ण कूट: 1 में से 1                    | 6  |
| वश्य कूट: 2 में से 2                    | 6  |
| तारा कूट: 3 में से 3                    | 6  |
| योनि कूट: 4 में से 0                    | 7  |
| ग्रह मैत्री कूट: 5 में से 5             | 7  |
| गण कूट: 6 में से 0                      | 7  |
| भकूट कूट: 7 में से 0                    | 7  |
| नाड़ी कूट: 8 में से 8                   | 8  |
| दोष और उनका परिहार                      | 9  |
| मांगलिक मिलान                           | 10 |
| Rahul के विवाह और संबंधों की तस्वीर     | 11 |
| Priya के विवाह और संबंधों की तस्वीर     | 13 |
| समय: जब सितारे आप दोनों का साथ दें      | 15 |
| अतिरिक्त जाँच: महेन्द्र और स्त्री-दीर्घ | 16 |
| आपके मिलान के उपाय                      | 17 |

## भाग 3 - कुंडली मिलान को समझें

|                                    |    |
|------------------------------------|----|
| गुण मिलान कैसे काम करता है         | 18 |
| गुण क्या बता सकते हैं और क्या नहीं | 18 |
| अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न        | 18 |

## इस रिपोर्ट के बारे में

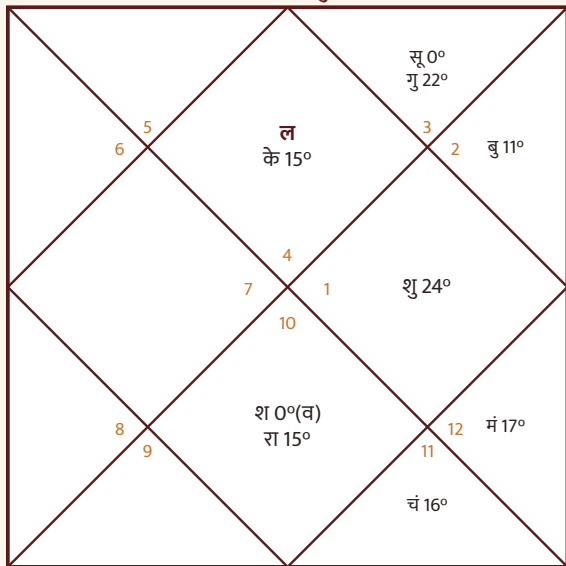
|                               |    |
|-------------------------------|----|
| इस रिपोर्ट का उपयोग कैसे करें | 19 |
|-------------------------------|----|

## भाग 1 - आपका विवरण

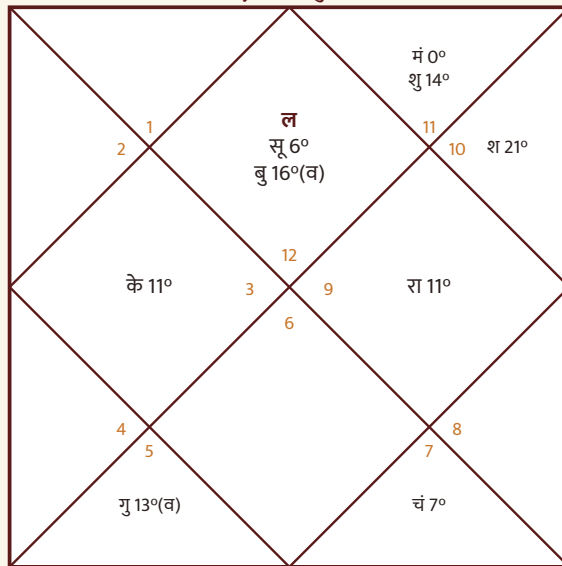
## दोनों के जन्म विवरण

|               | Rahul Verma          | Priya Nair          |
|---------------|----------------------|---------------------|
| जन्म तिथि     | 15 जून 1990          | 21 मार्च 1992       |
| जन्म समय      | 08:30                | 06:40               |
| जन्म स्थान    | Hyderabad, Telangana | Kochi, Kerala       |
| लग्न          | कर्क                 | मीन                 |
| चंद्र राशि    | कुंभ                 | तुला                |
| नक्षत्र (चरण) | शतभिषा (3)           | स्वाति (1)          |
| राशि स्वामी   | शनि                  | शुक्र               |
| मांगलिक       | हल्का मांगलिक        | मांगलिक, दोष निरस्त |
| वर्तमान दशा   | शनि - राहु           | शनि - शनि           |

Rahul की कुंडली



Priya की कुंडली



उत्तर भारतीय शैली की कुंडलियाँ: ऊपर का बीच वाला खाना पहला भाव है; अंक राशियाँ हैं (1 = मेष ... 12 = मीन)। जन्म समय ज्ञात न हो तो कुंडली चंद्र से बनाई गई है।

## भाग 1 - आपका विवरण

## अष्टकूट गुण मिलान

19 / 36

स्वीकार्य मिलान

| कूट         | क्या दिखाता है   | Rahul  | Priya | गुण     |
|-------------|------------------|--------|-------|---------|
| वर्ण        | दृष्टिकोण, मूल्य | शूद्र  | शूद्र | 1 / 1   |
| वश्य        | आकर्षण           | मानव   | मानव  | 2 / 2   |
| तारा        | भाग्य, स्वास्थ्य | जन्म   | जन्म  | 3 / 3   |
| योनि        | शारीरिक सामंजस्य | अश्व   | महिष  | 0 / 4   |
| ग्रह मैत्री | मानसिक मेल       | शनि    | शुक्र | 5 / 5   |
| गण          | स्वभाव           | राक्षस | देव   | 0 / 6   |
| भकूट        | परिवार, समृद्धि  | कुंभ   | तुला  | 0 / 7   |
| नाड़ी       | स्वास्थ्य, संतान | आदि    | अंत्य | 8 / 8   |
| कुल         |                  |        |       | 19 / 36 |

|             |       |
|-------------|-------|
| वर्ण        | 1 / 1 |
| वश्य        | 2 / 2 |
| तारा        | 3 / 3 |
| योनि        | 0 / 4 |
| ग्रह मैत्री | 5 / 5 |
| गण          | 0 / 6 |
| भकूट        | 0 / 7 |
| नाड़ी       | 8 / 8 |

भकूट दोष: निरस्त (दोनों चंद्र राशियों के स्वामी मित्रवत हैं)

गण दोष: निरस्त (ग्रह मैत्री (चंद्र राशि स्वामियों की मित्रता) प्रबल है)

परिहार के बाद प्रभावी गुण: 32 / 36

भाग 2 • आपका मिलान • 01

## एक नज़र में आपका मिलान

### आपके गुण: 36 में से 19

**स्वीकार्य मिलान।** यह स्वीकार्य गुण हैं। पारंपरिक रूप से 18 से 24 गुण चलने योग्य मिलान माना जाता है: विवाह सुखी हो सकता है, पर कुछ क्षेत्रों में सचेत प्रयास और समझ चाहिए।

आपकी कुंडलियों में मिले शास्त्रीय दोष-परिहार लागू करने के बाद प्रभावी गुण **36 में से 32** हैं। दोनों संख्याएँ दी गई हैं ताकि आप, आपका परिवार और कोई भी ज्योतिषी ठीक-ठीक देख सकें कि गणना कैसे हुई।

**सबसे मज़बूत क्षेत्र:** वर्ण (1/1), वश्य (2/2), तारा (3/3), ग्रह मैत्री (5/5), नाड़ी (8/8)।

**ध्यान चाहने वाले क्षेत्र:** योनि (0/4), गण (0/6), भकूट (0/7)।

**भकूट दोष:** मौजूद है पर **निरस्त** है, क्योंकि दोनों चंद्र राशियों के स्वामी मित्रवत हैं।

**गण दोष:** मौजूद है पर **निरस्त** है, क्योंकि ग्रह मैत्री (चंद्र राशि स्वामियों की मित्रता) प्रबल है।

**मांगलिक:** Rahul: हल्का मांगलिक; Priya: मांगलिक, दोष निरस्त। मांगलिक एक तरफ़ा है, इसलिए नीचे मांगलिक खंड बताता है कि क्या करें।

गुण मिलान केवल दोनों चंद्रों को देखता है। वास्तविक अनुकूलता मूल्यों, बातचीत, परिवार के सहयोग और प्रयास पर भी निर्भर है, जिन्हें कोई अंक नहीं माप सकता। नीचे के खंडों को इस मार्गदर्शन की तरह पढ़ें कि आपके संबंध के कौन से क्षेत्र सहज चलेंगे और किन पर ध्यान देना चाहिए।

## भाग 2 • आपका मिलान • 02

## वर्ण कूट: 1 में से 1

**वर्ण** (1 गुण) चंद्र राशि से दोनों साथियों के आध्यात्मिक स्वभाव और दृष्टिकोण की तुलना करता है। पारंपरिक रूप से इसे चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) से बताया जाता है, पर आज इसे काम करने की शैली और मूल्यों के रूप में पढ़ना सबसे अच्छा है: चिंतनशील, सिखाने वाला स्वभाव (ब्राह्मण), नेतृत्व और रक्षा करने वाला (क्षत्रिय), निर्माण और भरण-पोषण करने वाला (वैश्य) और सेवा तथा व्यावहारिकता वाला (शूद्र)। इसका जाति या जन्म के परिवार से कोई संबंध नहीं है; यह केवल बताता है कि हर चंद्र राशि कर्तव्य और विकास को कैसे देखती है।

## आपकी कुंडलियों में: 1 में से 1

Rahul का चंद्र कुंभ में **शूद्र** वर्ण देता है (मेहनती, सेवाभावी और लचीला)। Priya का चंद्र तुला में **शूद्र** वर्ण देता है (मेहनती, सेवाभावी और लचीला)।

आपको पूरा गुण मिलता है। कर्तव्य, विकास और जिम्मेदारी पर आपके दृष्टिकोण आराम से साथ चलते हैं; वर का तरीका स्वाभाविक रूप से वधू के तरीके का साथ और सम्मान करता है।

## भाग 2 • आपका मिलान • 03

## वश्य कूट: 2 में से 2

**वश्य** (2 गुण) स्वाभाविक आकर्षण और पारस्परिक प्रभाव दिखाता है: कौन किसे खींचता है, और हर साथी दूसरे के तरीके को कितनी आसानी से स्वीकार करता है। चंद्र राशियाँ पाँच प्रकार के स्वभाव में बँटी हैं: चतुष्पद (स्थिर, व्यावहारिक), मानव (बातूनी, सामाजिक), जलचर (भावुक, लचीला), वनचर (स्वतंत्र, स्वाभिमान) और कीट (तीव्र, निजी)। एक जैसे समूह बिना प्रयास के एक-दूसरे को समझते हैं; दूर के समूहों को अधिक सचेत तालमेल चाहिए।

## आपकी कुंडलियों में: 2 में से 2

Rahul की चंद्र राशि **मानव** समूह की है (सामाजिक, संवादप्रिय और विचारशील); Priya की **मानव** समूह की (सामाजिक, संवादप्रिय और विचारशील)।

पूरे 2 गुण: आप एक ही समूह के हैं, इसलिए आकर्षण और समझ स्वाभाविक है। आप दोनों बिना ज़्यादा प्रयास के एक-दूसरे की आदतें स्वीकार करते हैं।

## भाग 2 • आपका मिलान • 04

## तारा कूट: 3 में से 3

**तारा** (3 गुण) भाग्य और कल्याण का तारा है। यह एक साथी के चंद्र से दूसरे के चंद्र तक नक्षत्र दोनों दिशाओं में गिनता है, और देखता है कि गिनती सहायक तारे (संपत, क्षेम, साधक, मित्र, अति-मित्र या जन्म) पर पड़ती है या कठिन तारे (विपत, प्रत्यरि, वध) पर। अच्छी तारा पारंपरिक रूप से स्वास्थ्य, सौभाग्य और एक-दूसरे के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव से जुड़ी है।

## आपकी कुंडलियों में: 3 में से 3

Priya के नक्षत्र (स्वाति) से Rahul के नक्षत्र (शतभिषा) तक गिनने पर **जन्म तारा** आती है (जन्म तारा: साझा स्वभाव), जो सहायक है। दूसरी ओर गिनने पर **जन्म तारा** आती है (जन्म तारा: साझा स्वभाव), जो सहायक है।

दोनों दिशाएँ सहायक तारों पर पड़ती हैं, पूरे 3 गुण। पारंपरिक रूप से इसका अर्थ है कि आप दोनों एक-दूसरे के जीवन में सौभाग्य, स्वास्थ्य और प्रोत्साहन लाते हैं।

## भाग 2 • आपका मिलान • 05

## योनि कूट: 4 में से 0

**योनि** (4 गुण) शारीरिक और स्वाभाविक अनुकूलता बताती है: आराम, स्नेह, निकटता और साथ रहने की रोज की 'केमिस्ट्री'। हर नक्षत्र को एक पशु प्रतीक दिया गया है। एक ही पशु या मित्र पशु सहज शारीरिक सामंजस्य बताते हैं; शत्रु पशु (जैसे बिल्ली और चूहा, सर्प और नेवला) बताते हैं कि निजी जीवन में धैर्य और कोमलता चाहिए।

### आपकी कुंडलियों में: 4 में से 0

Rahul के नक्षत्र शतभिषा की **अश्व** योनि है (ऊर्जावान और स्वतंत्रता-प्रिय); Priya के नक्षत्र स्वाति की **महिष** योनि है (मेहनती और स्थिर)।

0 गुण: दोनों योनि पशु पारंपरिक शत्रु हैं। यह निजी जीवन और झगड़े संभालने में अलग स्वभाव बताता है। धैर्य, कोमलता और एक-दूसरे की ज़रूरतों पर खुली बातचीत इसका उपाय है, और ऐसे बहुत से जोड़ों का वैवाहिक जीवन बहुत सुखी है।

भाग 2 • आपका मिलान • 06

## ग्रह मैत्री कूट: 5 में से 5

**ग्रह मैत्री** (5 गुण) दोनों चंद्र राशियों के स्वामी ग्रहों की मित्रता है। चंद्रमा मन है, इसलिए यह कूट मानसिक अनुकूलता दिखाता है: आप दोनों कितना एक जैसा सोचते हैं, फ़ैसलों पर सहमत होते हैं और एक-दूसरे का साथ पसंद करते हैं। रोज की खुशी के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण कूटों में से है, और प्रबल ग्रह मैत्री दूसरे दोषों को भी निरस्त करने में मदद करती है।

### आपकी कुंडलियों में: 5 में से 5

Rahul की चंद्र राशि के स्वामी **शनि** और Priya की के **शुक्र** हैं। शनि शुक्र को मित्र मानते हैं, और शुक्र शनि को मित्र मानते हैं।

पूरे 5 गुण: आपकी चंद्र राशियों के स्वामी मित्र हैं (या एक ही ग्रह हैं)। आप एक जैसा सोचते हैं, एक-दूसरे का साथ पसंद करते हैं और बड़े फ़ैसलों पर आसानी से सहमत होते हैं।

भाग 2 • आपका मिलान • 07

## गण कूट: 6 में से 0

**गण** (6 गुण) मूल स्वभाव की तुलना करता है। हर नक्षत्र तीन गणों में से एक का है: **देव** (कोमल, आदर्शवादी, उदार), **मनुष्य** (संतुलित, सांसारिक, महत्वाकांक्षी) और **राक्षस** (दृढ़ इच्छाशक्ति वाला, स्वतंत्र, तीव्र)। राक्षस का अर्थ 'बुरा' नहीं; इसका अर्थ है शक्तिशाली, आत्मनिर्भर स्वभाव। एक जैसे गण एक लय साझा करते हैं; बहुत अलग गण तनाव में प्रतिक्रिया के तरीके पर टकरा सकते हैं।

### आपकी कुंडलियों में: 6 में से 0

Rahul का **राक्षस गण** है (दृढ़ इच्छाशक्ति वाले, स्पष्टवादी और स्वतंत्र; रक्षा करने वाले और बहुत दृढ़)। Priya का **देव गण** है (कोमल, आदर्शवादी और उदार; कठोर शब्दों से बचते हैं)।

0 गुण (गण दोष)। आपके स्वभाव बहुत अलग हैं, विशेषकर तनाव में। पहले से तय कर लें कि गुस्सा और बहस कैसे संभालेंगे, और नीचे देखें कि दोष निरस्त होता है या नहीं।

भाग 2 • आपका मिलान • 08

## भकूट कूट: 7 में से 0

**भकूट** (7 गुण), जिसे राशि कूट भी कहते हैं, दोनों चंद्र राशियों के बीच की दूरी देखता है। पारंपरिक रूप से यह परिवार के कल्याण, समृद्धि, संतान और घर की उन्नति से जुड़ा है। तीन दूरियाँ कठिन मानी जाती हैं: 2/12 (धन और खर्च), 5/9 (संतान और विश्वास) और 6/8 (स्वास्थ्य और मतभेद)। बाकी सभी दूरियाँ पूरे 7 गुण देती हैं।

### आपकी कुंडलियों में: 7 में से 0

Rahul का चंद्र कुंभ में और Priya का तुला में है। आपके चंद्र 5/9 की दूरी पर हैं: पारंपरिक रूप से विश्वास, संतान और जीवन-दर्शन में मतभेद से जुड़ी। विवाह से पहले परिवार की योजना, धर्म और मूल्यों पर खुलकर बात करें।

0 गुण (भूकूट दोष)। आपकी चंद्र राशियों के बीच की दूरी तीन कठिन दूरियों में से एक है। इस दूरी का अर्थ और दोष निरस्त होता है या नहीं, नीचे दोष खंड में देखें।

#### भाग 2 • आपका मिलान • 09

## नाड़ी कूट: 8 में से 8

**नाड़ी** (8 गुण) का भार सबसे अधिक है। यह 27 नक्षत्रों को तीन नाड़ियों में बाँटती है, जो आयुर्वेद के तीन दोषों से जुड़ी हैं: **आदि** (वात), **मध्य** (पित्त) और **अंत्य** (कफ)। पारंपरिक रूप से अलग नाड़ियाँ पसंद की जाती हैं क्योंकि वे स्वास्थ्य, ऊर्जा और संतान के कल्याण में संतुलन लाती हैं। एक ही नाड़ी 0 गुण देती है (नाड़ी दोष), जब तक कोई शास्त्रीय अपवाद लागू न हो।

### आपकी कुंडलियों में: 8 में से 8

Rahul की **आदि नाड़ी** है (वात (वायु) प्रकृति: तेज, सक्रिय, रचनात्मक, बेचैनी की ओर झुकाव)। Priya की **अंत्य नाड़ी** है (कफ (जल) प्रकृति: स्थिर, परवाह करने वाले, सहनशील, धीमेपन की ओर झुकाव)।

पूरे 8 गुण: आपकी नाड़ियाँ अलग हैं। स्वास्थ्य के संतुलन और संतान के कल्याण के लिए इसे सबसे महत्वपूर्ण कारक माना जाता है, और आपके मिलान में यह स्पष्ट है।

## भाग 2 • आपका मिलान • 10

## दोष और उनका परिहार

तीन कूट 0 या बहुत कम गुण पर दोष बना सकते हैं: नाड़ी, भकूट और गण। शास्त्रों में ऐसे अपवाद भी हैं जो इन दोषों को **निरस्त** करते हैं। यह खंड उन नियमों को आपकी दोनों कुंडलियों पर लागू करता है।

### भकूट दोष (5/9)

**स्थिति: निरस्त।** दोष काग़ज़ पर मौजूद है, पर निरस्त है क्योंकि दोनों चंद्र राशियों के स्वामी मित्रवत हैं। अधिकतर पारंपरिक ज्योतिषी निरस्त दोष का बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं मानते। कुछ परिवार मन की शांति के लिए फिर भी सरल उपाय करते हैं; वे उपाय खंड में दिए हैं।

भकूट दोष पारंपरिक रूप से पारिवारिक समृद्धि और सामंजस्य से जुड़ा है। व्यावहारिक रूप से, धन और परिवार की योजनाओं पर खुले रहें, दोनों परिवारों को सम्मान के साथ शामिल करें, और छोटे मतभेदों को जमा न होने दें।

### गण दोष

**स्थिति: निरस्त।** दोष काग़ज़ पर मौजूद है, पर निरस्त है क्योंकि ग्रह मैत्री (चंद्र राशि स्वामियों की मित्रता) प्रबल है। अधिकतर पारंपरिक ज्योतिषी निरस्त दोष का बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं मानते। कुछ परिवार मन की शांति के लिए फिर भी सरल उपाय करते हैं; वे उपाय खंड में दिए हैं।

गण दोष स्वभाव में बड़ा अंतर दिखाता है। व्यावहारिक रूप से, जानें कि आप दोनों तनाव में कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, ज़रूरत पर एक-दूसरे को जगह दें, और थके या भूखे होने पर कभी बहस न करें।

भाग 2 • आपका मिलान • 11

## मांगलिक मिलान

मंगल का पहले, दूसरे, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में होना मांगलिक या कुज दोष कहलाता है। इसे पारंपरिक रूप से दोनों साथियों के लिए देखा जाता है, क्योंकि मंगल की ऊर्जा को मिलती-जुलती मंगल ऊर्जा वाला साथी सबसे अच्छा संतुलित करता है।

### Rahul: हल्का मांगलिक

मंगल लग्न से नौवें भाव में और चंद्र से दूसरे भाव में है।

### Priya: मांगलिक, दोष निरस्त

मंगल लग्न से बारहवें भाव में और चंद्र से पाँचवें भाव में है। परिहार: गुरु की मंगल पर दृष्टि।

### आपके लिए इसका अर्थ

मांगलिक **एक तरफ़ा** है: एक साथी में सक्रिय मांगलिक स्थिति है और दूसरे में नहीं। पारंपरिक रूप से इसे विवाह से पहले सरल उपायों (उपाय खंड में) और शुभ मुहूर्त चुनकर सँभाला जाता है। रोज़ के जीवन में अधिक मंगल ऊर्जा वाला साथी अपनी ऊर्जा व्यायाम और काम में लगाए, और दोनों बहस को शांत और छोटा रखें।

भाग 2 • आपका मिलान • 12

# Rahul के विवाह और संबंधों की तस्वीर

जन्म समय: 08:30।

## Rahul का भावनात्मक स्वभाव: चंद्र कुंभ में, शतभिषा नक्षत्र

कुंभ राशि में चंद्र होने से आप भावनाओं को बुद्धि से समझते हैं। आप मित्रता, स्वतंत्रता और न्याय को महत्व देते हैं। आप लोगों और उद्देश्यों की परवाह करते हैं, फिर भी उदासीन दिख सकते हैं। केवल सोचने के बजाय स्वयं को महसूस करने की अनुमति देना आपके रिश्तों को गहरा करता है।

शतभिषा नक्षत्र (स्वामी राहु) में जन्म होने से आप स्वतंत्र, विश्लेषणात्मक और स्वाभाविक उपचारक हैं। शतभिषा सौ वैद्यों का नक्षत्र है: विज्ञान, चिकित्सा, तकनीक या रहस्य आपको आकर्षित करते हैं। आपको एकांत चाहिए।

## Rahul का लग्न: कर्क

कर्क लग्न होने से आप स्नेही, अंतर्ज्ञानी और अपने प्रियजनों के रक्षक हैं। घर, परिवार और भावनात्मक सुरक्षा आपके लिए बहुत मायने रखते हैं। आपके लग्नेश चंद्र आपको वातावरण और मनोदशा के प्रति संवेदनशील बनाते हैं, और आपकी भावनाएँ ज्वार-भाटे की तरह बदल सकती हैं।

## आपका विवाह भाव

सातवें भाव में मकर राशि होने से आप ज़िम्मेदार, परिपक्व और महत्वाकांक्षी साथी खोजते हैं। समय के साथ आपका संबंध मज़बूत होता है।

**आपके सप्तमेश शनि आपके सातवें भाव में बैठे हैं।** सप्तम (विवाह) भाव के स्वामी अपने ही भाव में बैठे हैं। यह विवाह और साझेदारी के लिए मज़बूत स्थिति है। आपका जीवनसाथी आत्मविश्वासी और सहयोगी होने की संभावना है।

व्यवहार में, विवाह और साझेदारी को प्रबल सहारा मिलता है। सप्तमेश की दशाएँ विवाह के लिए उत्तम हैं।

**आपके सातवें भाव में ग्रह:** आपके सातवें भाव में शनि परिपक्व, ज़िम्मेदार साथी और अक्सर कुछ देरी के बाद विवाह लाते हैं। प्रतिबद्धता से समय के साथ संबंध गहरे होते हैं। व्यापार में दीर्घकालिक साझेदारियाँ सबसे अच्छी चलती हैं। धैर्य और कर्तव्य आपके संबंधों की नींव हैं। आपके सातवें भाव में राहु अलग पृष्ठभूमि का साथी या असामान्य संबंध ला सकते हैं। साझेदारियाँ महत्वपूर्ण हैं पर उनमें स्पष्ट सीमाएँ और ईमानदारी चाहिए। विदेशियों के साथ या नए क्षेत्रों में व्यापार सफल हो सकता है।

## आपका जीवनसाथी ग्रह

आपके दारकारक (जीवनसाथी का ग्रह) सूर्य हैं: आपका जीवनसाथी स्वाभिमानी, आत्मविश्वासी और सम्मानित पृष्ठभूमि का, दृढ़ व्यक्तित्व वाला होने की संभावना है।

## प्रेम और रोमांस

पाँचवें भाव में वृश्चिक राशि होने से प्रेम गहन और निजी है, और आपका मन शोध की ओर आकर्षित होता है।

आपके पंचमेश मंगल आपके नौवें भाव में बैठे हैं। पंचम (विद्या) भाव के स्वामी नौवें भाव में बैठे हैं, जो दो त्रिकोण भावों का अत्यंत भाग्यशाली संयोग है। आप ज्ञानी, भाग्यशाली हैं और उच्च शिक्षा तथा आध्यात्मिकता की ओर आकर्षित होते हैं। संतान सौभाग्य लाती है।

शुक्र आपके दसवें भाव में होने से प्रेम और करियर जुड़ते हैं; आप काम के माध्यम से साथी से मिल सकते हैं।

## आपकी विवाह कुंडली (नवांश D9)

आपकी विवाह कुंडली (D9) का लग्न कन्या है: विवाह में व्यावहारिक सहयोग, दिनचर्या और देखभाल के छोटे काम सबसे अधिक मायने रखते हैं।

## विवाह का समय

**7 अगस्त 2024 से 14 जून 2027** (शनि-राहु, आयु 34 से): शनि: सप्तमेश; राहु: इच्छा का ग्रह, अचानक विवाह करा सकता है। गुरु सिंह में गोचर करके (31 अक्टूबर 2026 से 25 जनवरी 2027) इसे सहारा देते हैं। यहाँ कई संकेत एक साथ मिलते हैं, इसलिए यह विवाह या प्रतिबद्धता के लिए मज़बूत अवधि है। विश्वसनीयता: उच्च।

### संबंधों के लिए गुरु के सहायक गोचर

- **25 जनवरी 2030 से 1 मई 2030:** गुरु वृश्चिक में। आपके पाँचवें भाव में गुरु का गोचर प्रेम और प्रेम संबंधों के गंभीर होने में सहायक है।
- **23 सितंबर 2030 से 17 फ़रवरी 2031:** गुरु वृश्चिक में। आपके पाँचवें भाव में गुरु का गोचर प्रेम और प्रेम संबंधों के गंभीर होने में सहायक है।
- **14 जून 2031 से 15 अक्टूबर 2031:** गुरु वृश्चिक में। आपके पाँचवें भाव में गुरु का गोचर प्रेम और प्रेम संबंधों के गंभीर होने में सहायक है।
- **5 मार्च 2032 से 13 अगस्त 2032:** गुरु मकर में। आपके सातवें भाव में गुरु का गोचर विवाह और साझेदारी के लिए सबसे मज़बूत समयों में से एक है।

भाग 2 • आपका मिलान • 13

# Priya के विवाह और संबंधों की तस्वीर

जन्म समय: 06:40।

## Priya का भावनात्मक स्वभाव: चंद्र तुला में, स्वाति नक्षत्र

तुला राशि में चंद्र होने से आपको सामंजस्य, न्याय और अच्छी संगति चाहिए। टकराव आपकी शांति भंग करता है, और आप रिश्तों को संतुलित रखने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। आप दयालु और कूटनीतिक हैं, पर निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है। सौंदर्य, संगीत और घनिष्ठ साझेदारी आपको सुकून देती हैं।

स्वाति नक्षत्र (स्वामी राहु) में जन्म होने से आप स्वतंत्र, लचीले और कूटनीतिक हैं। स्वाति हवा से हिलता नया अंकुर है: लचीला, फिर भी मजबूत बनने में सक्षम। आप व्यापार और लोगों से व्यवहार में कुशल हैं।

## Priya का लग्न: मीन

मीन लग्न होने से आप कल्पनाशील, दयालु और अंतर्ज्ञानी हैं। आप दूसरों की भावनाएँ भाँप लेते हैं, आसानी से ढल जाते हैं और आपका आंतरिक संसार समृद्ध है। आपके लग्नेश गुरु आपको ज्ञान, करुणा और अच्छे मूल्य देते हैं।

## आपका विवाह भाव

सातवें भाव में कन्या राशि होने से आप व्यावहारिक, बुद्धिमान और सहायक साथी खोजते हैं। बड़े प्रदर्शन से अधिक देखभाल के छोटे काम मायने रखते हैं।

**आपके सप्तमेश बुध आपके पहले भाव में बैठे हैं।** सप्तम (विवाह) भाव के स्वामी आपके पहले भाव में बैठे हैं। आपके जीवन में जीवनसाथी की बड़ी भूमिका है और वह स्वभाव में आपके निकट हो सकता है। संबंध आपकी पहचान गढ़ते हैं। जनता से व्यवहार आपको सहज आता है।

व्यवहार में, जीवनसाथी आपकी पहचान को गहराई से प्रभावित करता है, और आप लोगों के साथ अच्छा काम करते हैं। सप्तमेश की दशाएँ विवाह के लिए महत्वपूर्ण हैं।

## आपका जीवनसाथी ग्रह

आपके दारकारक (जीवनसाथी का ग्रह) मंगल हैं: आपका जीवनसाथी ऊर्जावान, स्पष्टवादी और साहसी होने की संभावना है, संभवतः किसी तकनीकी या सक्रिय पेशे में।

## प्रेम और रोमांस

पाँचवें भाव में कर्क राशि होने से आप गहराई और रक्षात्मक भाव से प्रेम करते हैं, और संतान के प्रति बहुत स्नेही हैं।

आपके पंचमेश चंद्र आपके आठवें भाव में बैठे हैं। पंचम (विद्या) भाव के स्वामी आठवें भाव में बैठे हैं। आपका मन शोध, रहस्यों और गहरे विषयों की ओर आकर्षित होता है। पढ़ाई में रुकावटें आ सकती हैं, पर आपकी अंतर्दृष्टि प्रबल है।

शुक्र आपके बारहवें भाव में होने से प्रेम जीवन निजी, समर्पित और कभी-कभी दूर का होता है।

## आपकी विवाह कुंडली (नवांश D9)

आपकी विवाह कुंडली (D9) का लग्न कन्या है: विवाह में व्यावहारिक सहयोग, दिनचर्या और देखभाल के छोटे काम सबसे अधिक मायने रखते हैं।

## विवाह का समय

**9 मई 2025 से 12 मई 2028** (शनि-शनि, आयु 33 से): शनि: लाभेश (इच्छापूर्ति)। गुरु सिंह में गोचर करके (31 अक्टूबर 2026 से 25 जनवरी 2027) इसे सहारा देते हैं। इस अवधि में कुछ संकेत विवाह का समर्थन करते हैं; यह वास्तविक संभावना है, विशेषकर यदि पहले से कोई गंभीर संबंध हो। विश्वसनीयता: मध्यम।

### संबंधों के लिए गुरु के सहायक गोचर

- **25 जनवरी 2027 से 26 जून 2027:** गुरु कर्क में। आपके पाँचवें भाव में गुरु का गोचर प्रेम और प्रेम संबंधों के गंभीर होने में सहायक है।
- **27 नवंबर 2027 से 29 फ़रवरी 2028:** गुरु कन्या में। आपके सातवें भाव में गुरु का गोचर विवाह और साझेदारी के लिए सबसे मज़बूत समयों में से एक है।
- **24 जुलाई 2028 से 26 दिसंबर 2028:** गुरु कन्या में। आपके सातवें भाव में गुरु का गोचर विवाह और साझेदारी के लिए सबसे मज़बूत समयों में से एक है।
- **29 मार्च 2029 से 25 अगस्त 2029:** गुरु कन्या में। आपके सातवें भाव में गुरु का गोचर विवाह और साझेदारी के लिए सबसे मज़बूत समयों में से एक है।

भाग 2 • आपका मिलान • 14

## समय: जब सितारे आप दोनों का साथ दें

नीचे की तारीखें हर साथी की अपनी कुंडली से हैं। जो अवधियाँ एक-दूसरे से मिलती हैं, वे पारंपरिक रूप से सगाई और विवाह के लिए सबसे सहज समय हैं।

### Rahul

वर्तमान दशा: **शनि महादशा, राहु अंतर्दशा** (14 जून 2027 तक)।

अभी से विवाह के अनुकूल समय:

- **शनि-राहु:** 7 अगस्त 2024 से 14 जून 2027 (शनि: सप्तमेश; राहु: इच्छा का ग्रह, अचानक विवाह करा सकता है)

### Priya

वर्तमान दशा: **शनि महादशा, शनि अंतर्दशा** (12 मई 2028 तक)।

अभी से विवाह के अनुकूल समय:

- **शनि-शनि:** 9 मई 2025 से 12 मई 2028 (शनि: लाभेश (इच्छापूर्ति))

### दोनों के लिए अनुकूल समय

- 18 अक्टूबर 2026 से 14 जून 2027

ऐसे साझा समय के भीतर, विवाह की सटीक तारीख अपने पारिवारिक पंडित या ज्योतिषी से मुहूर्त निकलवाकर चुनें।

भाग 2 • आपका मिलान • 15

## अतिरिक्त जाँच: महेन्द्र और स्त्री-दीर्घ

आठ कूटों के अलावा, दो और जाँचें अक्सर की जाती हैं, विशेषकर दक्षिण भारत में।

### महेन्द्र: मौजूद

Priya के नक्षत्र से Rahul के नक्षत्र तक गिनती 10 आती है। यह महेन्द्र गिनती है (4, 7, 10, 13, 16, 19, 22 या 25), जो पारंपरिक रूप से समृद्धि, विवाह की दीर्घता और संतान के कल्याण से जुड़ी है।

### स्त्री-दीर्घ: स्वीकार्य

वही गिनती (10) उपयोग होती है। 9 से 13 के बीच स्वीकार्य है।

भाग 2 • आपका मिलान • 16

## आपके मिलान के उपाय

ये उपाय पारंपरिक, सरल और सस्ते हैं। जो आपके मिलान पर लागू हों, वे करें; किसी के लिए बड़ी रकम की ज़रूरत नहीं।

### मांगलिक असंतुलन के लिए

- मांगलिक साथी हर मंगलवार **हनुमान चालीसा** पढ़ें और ॐ अंगारकाय नमः 108 बार जपें।
- मंगलवार को मसूर दाल या गुड़ दान करें।
- विवाह की तारीख शुभ मुहूर्त से चुनें। कुछ परिवार विवाह से पहले मंगल शांति पूजा का पारंपरिक विकल्प चुनते हैं; यह अनिवार्य नहीं है।

### आपके सबसे कमज़ोर कूटों के लिए

- **योनि:** रोज़ स्नेह के छोटे संकेत; एक-दूसरे की ज़रूरतों पर खुलकर और प्यार से बात करें।
- **गण:** एक-दूसरे के तनाव के संकेत पहचानें और ज़रूरत पर जगह दें।

### सुखी विवाह के लिए (सभी के लिए)

- शुक्रवार को साथ मिलकर दीपक जलाएँ और सामंजस्य के लिए माँ लक्ष्मी और भगवान विष्णु (या शिव-पार्वती) की प्रार्थना करें।
- विवाह की वर्षगाँठ और एक-दूसरे के जन्मदिन पर साथ मंदिर जाएँ।
- महीने में एक बार साथ मिलकर दान करें; साझा दान साझा उद्देश्य को मज़बूत करता है।

## भाग 3 • कुंडली मिलान को समझें

## गुण मिलान कैसे काम करता है

गुण मिलान (अष्टकूट मिलान) विवाह के लिए कुंडली मिलाने की पारंपरिक उत्तर भारतीय पद्धति है। यह दोनों साथियों के **चंद्रमा** की तुलना करता है, क्योंकि चंद्रमा मन और भावनाओं का प्रतीक है, जो साथ रहने में सबसे अधिक मायने रखते हैं। आठ कारकों (कूटों) को 1 से 8 तक के भार से अंक दिए जाते हैं, कुल 36 गुण।

| कूट         | गुण | क्या दिखाता है                |
|-------------|-----|-------------------------------|
| वर्ण        | 1   | दृष्टिकोण और मूल्य            |
| वश्य        | 2   | आकर्षण और प्रभाव              |
| तारा        | 3   | भाग्य और कल्याण               |
| योनि        | 4   | शारीरिक और स्वाभाविक सामंजस्य |
| ग्रह मैत्री | 5   | मानसिक अनुकूलता               |
| गण          | 6   | स्वभाव                        |
| भकूट        | 7   | पारिवारिक कल्याण और समृद्धि   |
| नाड़ी       | 8   | स्वास्थ्य संतुलन और संतान     |

**पारंपरिक गुण सीमाएँ:** 18 से कम पर ध्यान से अध्ययन के बिना सलाह नहीं दी जाती; 18 से 24 स्वीकार्य; 25 से 32 बहुत अच्छा; 33 से 36 उत्तम।

## भाग 3 • कुंडली मिलान को समझें

## गुण क्या बता सकते हैं और क्या नहीं

गुण एक उपयोगी शुरुआत हैं, अंतिम फैसला नहीं। 30 गुण वाले जोड़े को भी बातचीत न हो तो कठिनाई हो सकती है, और 20 गुण वाला जोड़ा साझा मूल्यों और प्रयास से बहुत सुखी हो सकता है।

- **ये बता सकते हैं** कि कौन से क्षेत्र स्वाभाविक रूप से चलेंगे और किन पर सचेत काम चाहिए।
- **ये नहीं माप सकते** प्रेम, सम्मान, ईमानदारी, परिवार का सहयोग या आप दोनों का प्रयास।
- **दोषों के अपवाद होते हैं।** हमेशा परिहार के नियम देखें, जैसा यह रिपोर्ट करती है।
- **पूरी कुंडली मायने रखती है।** हर साथी का सातवाँ भाव, शुक्र, गुरु और दशाएँ (इस रिपोर्ट में शामिल) चंद्रमा से आगे महत्वपूर्ण विवरण जोड़ते हैं।

## भाग 3 • कुंडली मिलान को समझें

## अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

**हमारे गुण 18 से कम हैं। क्या हमें विवाह नहीं करना चाहिए?** जरूरी नहीं। देखें कि कौन से कूट कम हैं, क्या दोष निरस्त हैं, और आप वास्तव में कैसे साथ रहते हैं। बहुत से परिवार फिर किसी ज्योतिषी से सलाह लेकर उपाय करते हैं।

**हम में से एक का सटीक जन्म समय ज्ञात नहीं। क्या मिलान फिर भी सही है?** हाँ। गुण मिलान केवल चंद्रमा का उपयोग करता है, जो धीरे बदलता है। जब तक उस दिन चंद्रमा ने नक्षत्र नहीं बदला, गुण किसी भी समय के लिए समान रहते हैं। केवल लग्न से मांगलिक जाँच और दशा की तारीखों के लिए सटीक समय चाहिए।

**अलग-अलग वेबसाइटें थोड़े अलग गुण क्यों दिखाती हैं?** कुछ तालिकाओं (विशेषकर वश्य और गण) और परिहार के नियमों में परंपराओं के बीच छोटे अंतर हैं। यह रिपोर्ट हर मान बताती है ताकि आप तुलना कर सकें।

**क्या राक्षस गण बुरा है?** नहीं। यह एक प्रबल, स्वतंत्र स्वभाव बताता है। यह केवल इस बात में मायने रखता है कि साथी के गण के साथ कैसे मिलता है।

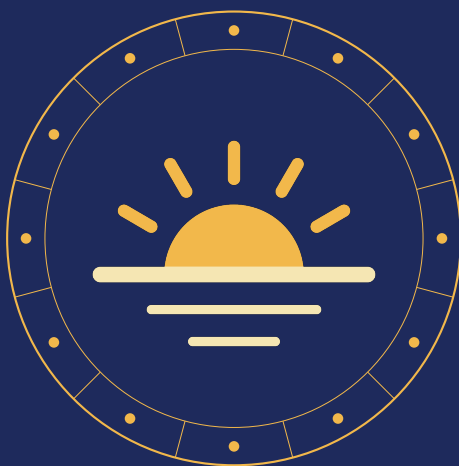
इस रिपोर्ट के बारे में

## इस रिपोर्ट का उपयोग कैसे करें

यह रिपोर्ट दोनों जन्म कुंडलियों की तुलना शास्त्रीय अष्टकूट (36 गुण) पद्धति से लाहिरी अयनांश के साथ करती है, साथ में दोष परिहार के मानक नियम, दोनों साथियों की मांगलिक जाँच, और हर साथी के अपने विवाह संकेत और दशाएँ।

**यह रिपोर्ट मार्गदर्शन और आत्म-चिंतन के लिए है।** ज्योतिष एक पारंपरिक मान्यता पद्धति है, विज्ञान नहीं, और यहाँ लिखी कोई भी बात किसी परिणाम की गारंटी नहीं देती। यह चिकित्सा, कानूनी, वित्तीय या मनोवैज्ञानिक सलाह नहीं है। महत्वपूर्ण निर्णय अपने विवेक से और आवश्यकता हो तो किसी योग्य विशेषज्ञ की सलाह से लें।

अपनी रिपोर्ट के बारे में प्रश्न? [atastro.in](http://atastro.in) | [atastro.in@gmail.com](mailto:atastro.in@gmail.com)



# AT ASTRO

अपनी जन्म कुंडली हमें सौंपने के लिए धन्यवाद ।  
अपनी रिपोर्ट धीरे-धीरे पढ़ें, और हर कुछ महीनों में  
तारीखें आने पर इसे फिर से देखें ।  
यह आपका मार्गदर्शन करे, कभी डराए नहीं ।

**अपने परिवार और मित्रों के लिए भी रिपोर्ट मंगवाएँ**

atastro.in | atastro.in@gmail.com

केवल मार्गदर्शन और आत्म-चिंतन के लिए। किसी परिणाम की गारंटी नहीं; चिकित्सा, कानूनी या वित्तीय सलाह नहीं।

© 2026 AT Astro। यह रिपोर्ट केवल मुखपृष्ठ पर नामित व्यक्ति के निजी उपयोग के लिए है।